राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–194/2023

नौकरी की तलाश करने के बजाय रोजगार उपलब्ध कराने वाले बनें युवा –राज्यपाल

पटना, 27 जून, 2023 :– महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल, पटना में आयोजित पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करनेवाले छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे युवा नौकरी की तलाश करने के बजाय रोजगार उपलब्ध कराने वाले बनें। ऐसा निश्चय करने पर थोड़े से पहल और परिश्रम से सभी संसाधन सुलभ हो जायेंगे। नौकरी प्राप्त करने के लिए भी काफी प्रयास करने पड़ते हैं। यदि इतना परिश्रम सेवा प्रदाता बनने के लिए किया जाए तब हमारा जीवन बदल सकता है।

उन्होंने एक अर्थशास्त्री के वक्तव्य का संदर्भ देते हुए कहा कि हमारे युवाओं को गारंटीशुदा गरीबी (Guaranteed Poverty) के बजाय जोखिम भरी समृद्धि (Risky Prosperity) का चुनाव करना चाहिए। एक नियत वेतन पर नौकरी करना गारंटीशुदा गरीबी है जबकि समाज के हित के लिए कार्य करना जोखिम भरी समृद्धि। आज पूरी दुनिया उनका इंतजार कर रही है। उन्हें नौकरी की मानसिकता से बाहर निकलकर देश एवं समाज के लिए कुछ अलग करना चाहिए।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के संबंध में कहा कि यह हमारी युवा पीढ़ी के हित में है। के० कस्तुरी रंजन समिति की सिफारिश पर आधारित यह नीति हमें अपनी मिट्टी से जोड़ती है तथा नई पीढ़ी को बेहतर दिशा देने वाली है। इसमें एक नई सोच निहित है। आज पूरा देश एक नये तरीके से सोच रहा है और बिहार को इसमें पीछे नहीं रहना चाहिए।

सेमेस्टर सिस्टम एवं च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम पर आधारित चार वर्षीय स्नातक कोर्स की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह बिहार के छात्रों के हित में है। इसके तहत छात्र–छात्राओं को मात्र स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के लिए तीन वर्षों तक ही अध्ययन करना होगा। जो छात्र–छात्राएँ उच्चतर शिक्षा हासिल करना चाहते हों अथवा विदेशों में पढ़ाई करना चाहते हैं अथवा अन्य विश्वविद्यालय, जहाँ उच्चतर शिक्षा के लिए स्नातक स्तर पर चार वर्ष की शिक्षा आवश्यक हो, वहाँ प्रवेश पाना चाहते हों, वे अपनी इच्छानुसार चौथे वर्ष की पढ़ाई का विकल्प चुन सकते हैं। चार वर्ष का स्नातक कोर्स कर लेने के बाद छात्र–छात्राओं को स्नातकोत्तर के लिए एक वर्ष की ही पढ़ाई करनी होगी। इसके तहत हर छः महीने के बाद परीक्षा होगी और शिक्षक व विद्यार्थियों का लगातार मूल्यांकन होगा। उन्होंने कहा कि सेमेस्टर सिस्टम पूरे देश में लागू है।

आगे पृष्ठ.....2 पर

राज्यपाल ने कहा कि चार वर्षीय स्नातक कोर्स के तहत एक वर्ष की पढ़ाई के बाद सर्टिफिकेट, दूसरे वर्ष की पढ़ाई के बाद डिप्लोमा और तीसरे वर्ष की पढ़ाई के बाद डिग्री दिये जाने का प्रावधान है। वर्तमान में लागू तीन वर्षीय स्नातक कोर्स में ऐसी व्यवस्था नही है।

राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में सफल छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक व उपाधि प्रदान की तथा उन्हें बधाई और भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज से उनकी नई शिक्षा की शुरूआत हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे अपने माता–पिता, अभिभावकों तथा गुरूजन की उम्मीदों को पूरा करेंगे।

कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, डॉ० शकुन्तला मिश्रा नेशनल रिहैबिलिटेशन विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो० राणा कृष्ण पाल सिंह, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० आर० के० सिंह, प्रतिकुलपति प्रो० गणेश महतो, कुलसचिव प्रो० शालिनी तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....